

**Series : YWX5Z/5**



**SET ~ 1**

रोल नं.

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

प्रश्न-पत्र कोड  
Q.P. Code

**55/5/1**

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

Candidates must write the Q.P. Code on the title page of the answer-book.



**भौतिक विज्ञान (सैद्धान्तिक)**  
**PHYSICS (Theory)**



निर्धारित समय : 3 घण्टे

*Time allowed : 3 hours*

अधिकतम अंक : 70

*Maximum Marks : 70*

**नोट / NOTE**

#

- (I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 27 हैं।  
Please check that this question paper contains 27 printed pages.
- (II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।  
Q.P. Code given on the right hand side of the question paper should be written on the title page of the answer-book by the candidate.
- (III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 33 प्रश्न हैं।  
Please check that this question paper contains 33 questions.
- (IV) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।  
Please write down the Serial Number of the question in the answer-book at the given place before attempting it.
- (V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पर्वाह में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।  
15 minute time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 10.15 a.m. From 10.15 a.m. to 10.30 a.m., the candidates will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.



### सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में 33 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- (ii) यह प्रश्न-पत्र पाँच खण्डों में विभाजित है – खण्ड क, ख, ग, घ एवं ङ।
- (iii) खण्ड क में प्रश्न संख्या 1 से 16 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
- (iv) खण्ड ख में प्रश्न संख्या 17 से 21 तक अति लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।
- (v) खण्ड ग में प्रश्न संख्या 22 से 28 तक लघु-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है।
- (vi) खण्ड घ में प्रश्न संख्या 29 तथा 30 केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।
- (vii) खण्ड ङ में प्रश्न संख्या 31 से 33 तक दीर्घ-उत्तरीय प्रकार के प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।
- (viii) प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, खण्ड क के अतिरिक्त अन्य खण्डों के कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प का चयन दिया गया है।
- (ix) ध्यान दें कि दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए एक अलग प्रश्न-पत्र है।
- (x) कैल्कुलेटर का उपयोग बर्जित है।

जहाँ आवश्यक हो, आप निम्नलिखित भौतिक नियतांकों के मानों का उपयोग कर सकते हैं :

$$c = 3 \times 10^8 \text{ m/s}$$

$$h = 6.63 \times 10^{-34} \text{ Js}$$

$$e = 1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$

$$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7} \text{ T m A}^{-1}$$

$$\epsilon_0 = 8.854 \times 10^{-12} \text{ C}^2 \text{ N}^{-1} \text{ m}^{-2}$$

$$\frac{1}{4\pi\epsilon_0} = 9 \times 10^9 \text{ N m}^2 \text{ C}^{-2}$$

$$\text{इलेक्ट्रॉन का द्रव्यमान } (m_e) = 9.1 \times 10^{-31} \text{ kg}$$

$$\text{न्यूट्रॉन का द्रव्यमान} = 1.675 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{प्रोटॉन का द्रव्यमान} = 1.673 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{आवोगाड्रो संख्या} = 6.023 \times 10^{23} \text{ प्रति ग्राम मोल}$$

$$\text{बोल्टज़मान नियतांक} = 1.38 \times 10^{-23} \text{ JK}^{-1}$$



#

### **General Instructions :**

Read the following instructions carefully and follow them :

- (i) This question paper contains 33 questions. All questions are compulsory.
- (ii) This question paper is divided into five sections – Sections A, B, C, D and E.
- (iii) In Section A – Questions no. 1 to 16 are Multiple Choice type questions. Each question carries 1 mark.
- (iv) In Section B – Questions no. 17 to 21 are Very Short Answer type questions. Each question carries 2 marks.
- (v) In Section C – Questions no. 22 to 28 are Short Answer type questions. Each question carries 3 marks.
- (vi) In Section D – Questions no. 29 and 30 are case study-based questions. Each question carries 4 marks.
- (vii) In Section E – Questions no. 31 to 33 are Long Answer type questions. Each question carries 5 marks.
- (viii) There is no overall choice given in the question paper. However, an internal choice has been provided in few questions in all the Sections except Section A.
- (ix) Kindly note that there is a separate question paper for Visually Impaired candidates.
- (x) Use of calculators is not allowed.

You may use the following values of physical constants wherever necessary :

$$c = 3 \times 10^8 \text{ m/s}$$

$$h = 6.63 \times 10^{-34} \text{ Js}$$

$$e = 1.6 \times 10^{-19} \text{ C}$$

$$\mu_0 = 4\pi \times 10^{-7} \text{ T m A}^{-1}$$

$$\epsilon_0 = 8.854 \times 10^{-12} \text{ C}^2 \text{ N}^{-1} \text{ m}^{-2}$$

$$\frac{1}{4\pi\epsilon_0} = 9 \times 10^9 \text{ N m}^2 \text{ C}^{-2}$$

$$\text{Mass of electron (m}_e\text{)} = 9.1 \times 10^{-31} \text{ kg}$$

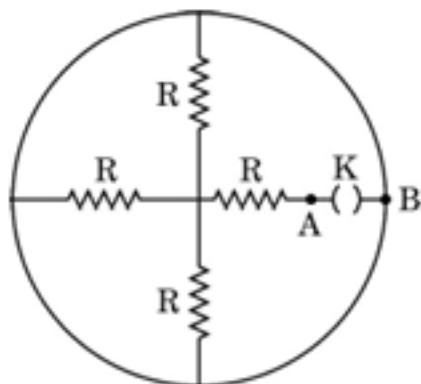
$$\text{Mass of neutron} = 1.675 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{Mass of proton} = 1.673 \times 10^{-27} \text{ kg}$$

$$\text{Avogadro's number} = 6.023 \times 10^{23} \text{ per gram mole}$$

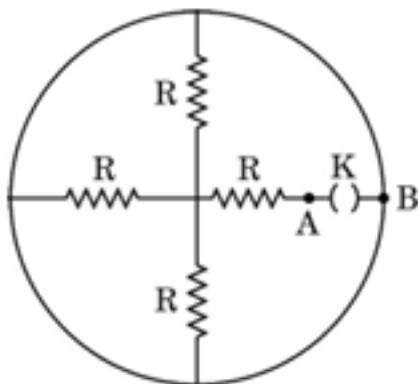
$$\text{Boltzmann constant} = 1.38 \times 10^{-23} \text{ JK}^{-1}$$

खण्ड क





## **SECTION A**







三



三



प्रश्न संख्या 13 से 16 अभिकथन (A) और कारण (R) प्रकार के प्रश्न हैं। दो कथन दिए गए हैं – जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। सही उत्तर नीचे दिए गए कोडों (A), (B), (C) और (D) में से चुनकर दीजिए।

- (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परन्तु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(C) अभिकथन (A) सही है, परन्तु कारण (R) गलत है।

(D) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

**13.** अभिकथन (A) : p-प्रकार के Si में अशुद्धियाँ पंचसंयोजक परमाणु नहीं हैं।  
 कारण (R) : p-प्रकार के अर्धचालकों में संयोजकता बैण्ड में विवर घनत्व लगभग ग्राही घनत्व के बराबर होता है।

**14.** अभिकथन (A) : किसी नाभिक के निर्माण के समय उत्पन्न द्रव्यमान क्षति नाभिक की बंधन ऊर्जा की स्रोत होती है।  
 कारण (R) : सभी नाभिकों के लिए, बंधन ऊर्जा प्रति न्यूकिलऑन के मान में द्रव्यमान संख्या के साथ वृद्धि होती है।



11



**Questions number 13 to 16** are Assertion (A) and Reason (R) type questions. Two statements are given — one labelled Assertion (A) and the other labelled Reason (R). Select the correct answer from the codes (A), (B), (C) and (D) as given below.

- (A) Both Assertion (A) and Reason (R) are true and Reason (R) is the correct explanation of the Assertion (A).

(B) Both Assertion (A) and Reason (R) are true, but Reason (R) is *not* the correct explanation of the Assertion (A).

(C) Assertion (A) is true, but Reason (R) is false.

(D) Both Assertion (A) and Reason (R) are false.

**13.** *Assertion (A)* : The impurities in p-type Si are not pentavalent atoms.  
*Reason (R)* : The hole density in valance band in p-type semiconductor is almost equal to the acceptor density.

**14.** *Assertion (A)* : During formation of a nucleus, the mass defect produced is the source of the binding energy of the nucleus.  
*Reason (R)* : For all nuclei, the value of binding energy per nucleon increases with mass number.

15. अभिकथन (A) : हाइड्रोजन परमाणु के स्पेक्ट्रम में बामर श्रेणी तब बनती है जब इलेक्ट्रॉन उच्च ऊर्जा अवस्था से निम्नतम अवस्था में कूदान करता है।  
 कारण (R) : हाइड्रोजन परमाणु के बोर मॉडल में, इलेक्ट्रॉन केवल क्रमागत कक्षाओं के बीच कूदान कर सकता है।
16. अभिकथन (A) : रदरफोर्ड के ऐल्फा कण प्रकीर्णन प्रयोग में, प्रकीर्णन कोण  $\pi$  पर केवल कुछ ऐल्फा कणों की उपस्थिति ने रदरफोर्ड को नाभिक की खोज की ओर निर्देशित किया।  
 कारण (R) : नाभिक का साइज़, परमाणु के साइज़ का लगभग  $10^{-5}$  गुना होता है इसलिए केवल कुछ ऐल्फा कण ही प्रतिक्षिप्त होते हैं।

### खण्ड ख

17. किसी दिए गए धातु के लिए देहली आवृत्ति  $3.6 \times 10^{14} \text{ Hz}$  है। यदि इस धातु पर  $6.8 \times 10^{14} \text{ Hz}$  आवृत्ति के एकवर्णी विकिरण आपतन करते हैं, तो फोटो-इलेक्ट्रॉनों के लिए अंतक विभव ज्ञात कीजिए। 2
18. (क) वायु से पृथक करने वाले  $n (< 4)$  अपवर्तनांक के माध्यम से, बक्रता त्रिज्या  $R$  के किसी उत्तल पृष्ठ से कोई बिन्दु बिम्ब  $R/3$  दूरी पर वायु में स्थित है। बनने वाले प्रतिबिम्ब की प्रकृति और स्थिति ज्ञात कीजिए। 2

### अथवा

- (ख) यंग के द्विजिरी प्रयोग की प्रायोगिक व्यवस्था में, केंद्रीय उच्चिष्ठ की तीव्रता  $I_0$  है। उस बिंदु पर, जहाँ व्यतिकरण करती हुई दो तरंगों के बीच पथान्तर  $\lambda/3$  है, तीव्रता परिकलित कीजिए। 2
19.  $1000 \Omega$  प्रतिरोध का कोई बोल्टमीटर  $25 \text{ V}$  तक की माप ले सकता है। आप इसे  $250 \text{ V}$  तक का पाठ्यांक ले सकने के लिए किस प्रकार परिवर्तित करेंगे? 2
20. जब कोई न्यूट्रॉन  $^{235}_{92}\text{U}$  से संघट्ट करता है, तो नाभिक से विखण्डन उत्पाद के रूप में  $^{140}_{54}\text{Xe}$  तथा  $^{94}_{38}\text{Sr}$  ग्रास होते हैं और दो न्यूट्रॉन उत्सर्जित होते हैं। इस प्रक्रिया में द्रव्यमान क्षति तथा मुक्त ऊर्जा (MeV में) परिकलित कीजिए। दिया गया है :

$$m\left(^{235}_{92}\text{U}\right) = 235.04393 \text{ u}, \quad m\left(^{140}_{54}\text{Xe}\right) = 139.92164 \text{ u}$$

$$m\left(^{94}_{38}\text{Sr}\right) = 93.91536 \text{ u}, \quad {}_0^1\text{n} = 1.00866 \text{ u}$$

$$1 \text{ u} = 931 \text{ MeV}/c^2$$



#

15. Assertion (A) : The Balmer series in hydrogen atom spectrum is formed when the electron jumps from higher energy state to the ground state.
- Reason (R) : In Bohr's model of hydrogen atom, the electron can jump between successive orbits only.
16. Assertion (A) : In Rutherford's alpha particle scattering experiment, the presence of only few alpha particles at angle of scattering  $\pi$  led him to the discovery of nucleus.
- Reason (R) : The size of nucleus is approximately  $10^{-5}$  times the size of an atom and therefore only few alpha particles are rebounded.

### SECTION B

17. The threshold frequency for a given metal is  $3.6 \times 10^{14}$  Hz. If monochromatic radiations of frequency  $6.8 \times 10^{14}$  Hz are incident on this metal, find the cut-off potential for the photoelectrons. 2
18. (a) A point object is placed in air at a distance  $R/3$  in front of a convex surface of radius of curvature  $R$ , separating air from a medium of refractive index  $n (< 4)$ . Find the nature and position of the image formed. 2

### OR

- (b) In Young's double slit experimental set-up, the intensity of the central maximum is  $I_0$ . Calculate the intensity at a point where the path difference between two interfering waves is  $\lambda/3$ . 2
19. A voltmeter of resistance  $1000 \Omega$  can measure up to 25 V. How will you convert it so that it can read up to 250 V ? 2
20. When a neutron collides with  $^{235}_{92}\text{U}$ , the nucleus gives  $^{140}_{54}\text{Xe}$  and  $^{94}_{38}\text{Sr}$  as fission products and two neutrons are ejected. Calculate the mass defect and the energy released (in MeV) in the process. Given : 2

$$m\left(^{235}_{92}\text{U}\right) = 235.04393 \text{ u}, \quad m\left(^{140}_{54}\text{Xe}\right) = 139.92164 \text{ u}$$

$$m\left(^{94}_{38}\text{Sr}\right) = 93.91536 \text{ u}, \quad {}_0^1\text{n} = 1.00866 \text{ u}$$

$$1 \text{ u} = 931 \text{ MeV}/c^2$$

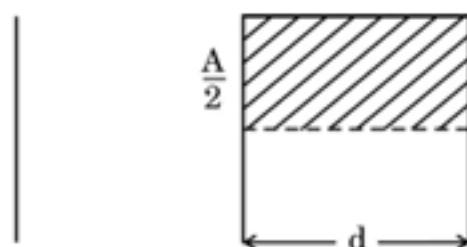
21. किसी तार का  $25^\circ\text{C}$  पर प्रतिरोध  $10\cdot0 \Omega$  है।  $125^\circ\text{C}$  पर गर्म करने पर इसका प्रतिरोध  $10\cdot5 \Omega$  हो जाता है। (i) तार के प्रतिरोध का ताप गुणांक, तथा (ii)  $425^\circ\text{C}$  पर तार का प्रतिरोध ज्ञात कीजिए। 2

## खण्ड ग

22. (क)  $T = 0\text{ K}$  पर चालकों, अर्धचालकों और विद्युतरोधियों के लिए ऊर्जा-बैण्ड आरेख खोचिए। किसी अर्धचालक में कक्ष-ताप पर इलेक्ट्रॉन-विवर युगल किस प्रकार निर्मित होता है ?  
 (ख) आवर्त सारणी में कार्बन और सिलिकॉन दोनों ही श्रृङ्खला IV के सदस्य हैं और दोनों की जालक संरचना समान है। कार्बन विद्युतरोधी है जबकि सिलिकॉन अर्धचालक है। व्याख्या कीजिए। 3
23. किसी समान्तर पट्टिका संधारित्र की पट्टिकाओं का क्षेत्रफल A तथा पट्टिका पृथक्कन d है। इस संधारित्र की दो पट्टिकाओं के बीच के आधे स्थान में, आरेख में दर्शाए अनुसार, दो ढंगों से परावैद्युतांक K का कोई पदार्थ भरा गया है।



(a)



(b)

इन दोनों प्रकरणों में संधारित्र की धारिताओं के मान ज्ञात कीजिए। 3

24. यंग के द्वितीय प्रयोग में, दो लिंगियों का पृथक्कन  $1\cdot0\text{ mm}$  तथा परदे की लिंगियों से दूरी  $1\cdot0\text{ m}$  है। व्यतिकरण फ्रिंजें प्राप्त करने के लिए दो तरंगदैध्यों  $500\text{ nm}$  और  $600\text{ nm}$  के बने प्रकाश पुन्ज का उपयोग किया गया है। परिकलित कीजिए :  
 (क) दोनों तरंगदैध्यों के प्रथम उच्चिष्ठों के बीच की दूरी।  
 (ख) केन्द्रीय उच्चिष्ठ से उस बिंदु की न्यूनतम दूरी, जहाँ पर दोनों तरंगदैध्यों की चमकीली फ्रिंजें संपात करती हैं।



#

21. The resistance of a wire at  $25^{\circ}\text{C}$  is  $10\cdot0 \Omega$ . When heated to  $125^{\circ}\text{C}$ , its resistance becomes  $10\cdot5 \Omega$ . Find (i) the temperature coefficient of resistance of the wire, and (ii) the resistance of the wire at  $425^{\circ}\text{C}$ .

2

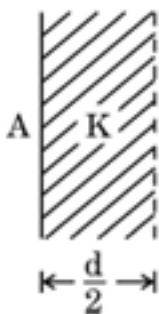
### SECTION C

22. (a) Draw the energy-band diagrams for conductors, semiconductors and insulators at  $T = 0 \text{ K}$ . How is an electron-hole pair formed in a semiconductor at room temperature?

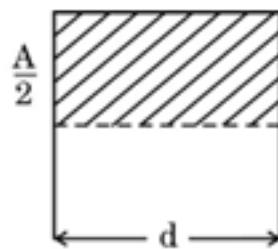
- (b) Carbon and silicon both, are members of IV group of periodic table and have the same lattice structure. Carbon is an insulator whereas silicon is a semiconductor. Explain.

3

23. A parallel plate capacitor has plate area  $A$  and plate separation  $d$ . Half of the space between the plates is filled with a material of dielectric constant  $K$  in two ways as shown in the figure.



(a)



(b)

Find the values of the capacitance of the capacitors in the two cases.

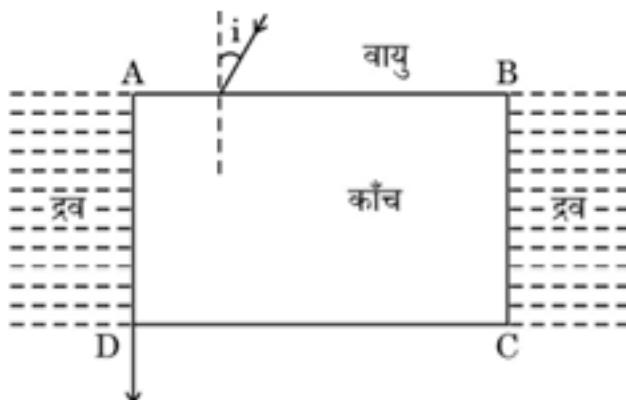
3

24. In Young's double slit experiment, the separation between the two slits is  $1\cdot0 \text{ mm}$  and the screen is  $1\cdot0 \text{ m}$  away from the slits. A beam of light consisting of two wavelengths  $500 \text{ nm}$  and  $600 \text{ nm}$  is used to obtain interference fringes. Calculate :

3

- (a) the distance between the first maxima for the two wavelengths.  
(b) the least distance from the central maximum, where the bright fringes due to both the wavelengths coincide.

25. अर्ध-तरंग और पूर्ण तरंग दिष्टकरण के बीच विभेदन कीजिए। परिपथ आरेख की सहायता से पूर्ण तरंग दिष्टकारी की कार्यविधि की व्याख्या कीजिए। 3
26. द्रव्यमान  $m$  और आवेश –  $e$  का कोई इलेक्ट्रॉन किसी परमाणु के नाभिक की बामावर्त परिक्रमा कर रहा है।
- (क) इस परमाणु के चुम्बकीय द्विघुब आघूर्ण ( $\mu$ ) के लिए व्यंजक प्राप्त कीजिए।
- (ख) यदि इलेक्ट्रॉन का कोणीय संवेग  $\vec{L}$  है, तो यह दर्शाइए कि  $\vec{\mu} = -\left(\frac{e}{2m}\right)\vec{L}$  3
27. आरेख में दर्शाए अनुसार कौच का कोई आयताकार स्लैब ABCD (अपवर्तनांक 1.5) किसी पारदर्शी द्रव (अपवर्तनांक 1.25) से घिरा है। इसके फलक AB पर कोई प्रकाश किरण कोण  $i$  पर इस प्रकार आपतन करती है कि यह फलक AD को स्पर्श करते हुए अपवर्तित होती है। कोण  $i$  का मान ज्ञात कीजिए। 3



28. (क) दो ठोस धातु की लघु गेंदें A और B जिनकी त्रिज्याएँ क्रमशः  $R$  और  $2R$  तथा आवेश घनत्व  $2\sigma$  और  $3\sigma$  हैं, एक-दूसरे से काफी दूरी पर स्थित हैं। इन दोनों को किसी चालक तार से संयोजित करने के पश्चात A और B के आवेश घनत्व ज्ञात कीजिए। 3

अथवा



#

25. Differentiate between half-wave and full-wave rectification. With the help of a circuit diagram, explain the working of a full-wave rectifier. 3

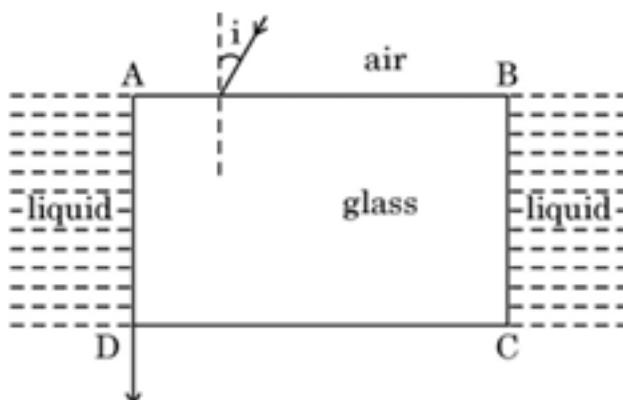
26. An electron of mass  $m$  and charge  $-e$  is revolving anticlockwise around the nucleus of an atom.

- (a) Obtain the expression for the magnetic dipole moment ( $\mu$ ) of the atom.

- (b) If  $\vec{L}$  is the angular momentum of electron, show that

$$\vec{\mu} = - \left( \frac{e}{2m} \right) \vec{L}. \quad 3$$

27. A rectangular glass slab ABCD (refractive index 1.5) is surrounded by a transparent liquid (refractive index 1.25) as shown in the figure. A ray of light is incident on face AB at an angle  $i$  such that it is refracted out grazing the face AD. Find the value of angle  $i$ . 3

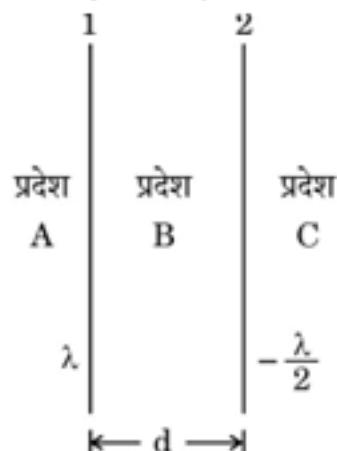


28. (a) Two small solid metal balls A and B of radii  $R$  and  $2R$  having charge densities  $2\sigma$  and  $3\sigma$  respectively are kept far apart. Find the charge densities on A and B after they are connected by a conducting wire. 3

OR

- (ख) अनन्त लम्बाई के दो सीधे तार '1' और '2', एक-दूसरे के समान्तर और एक-दूसरे से दूरी  $d$  पर आरेख में दर्शाएं अनुसार स्थित हैं। इन तारों को एकसमान रूप से आवेशित किया गया है और इनके आवेश घनत्व क्रमशः  $\lambda$  और  $-\frac{\lambda}{2}$  हैं। तार '1' से उस बिंदु की स्थिति ज्ञात कीजिए जिस पर नेट विद्युत-क्षेत्र शून्य है तथा उस प्रदेश की पहचान कीजिए जिसमें यह बिंदु स्थित है।

3



#### खण्ड घ

प्रश्न संख्या 29 तथा 30 केस अध्ययन-आधारित प्रश्न हैं। निम्नलिखित अनुच्छेदों को पढ़ कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

29. गैल्वेनोमीटर एक ऐसा उपकरण है जिसका उपयोग अपने से प्रवाहित होने वाली धारा की दिशा और तीव्रता को दर्शाने के लिए किया जाता है। किसी गैल्वेनोमीटर में चुम्बकीय क्षेत्र में स्थित कोई कुण्डली धारा प्रवाहित किए जाने पर बल-आधूर्ण का अनुभव करती है और इसलिए विक्षेपित हो जाती है। इस उपकरण का नाम इटली के वैज्ञानिक एल. गैल्वानी के नाम पर रखा गया है जिन्होंने 1791 में यह खोज की थी कि विद्युत धारा मृत मेंडक की टाँग में झटका देती है। किसी कुण्डली से जुड़ी कमानी प्रतिकारक बल-आधूर्ण प्रदान करती है।

साम्यावस्था में, विक्षेपक बल-आधूर्ण का संतुलन कमानी के प्रत्यानयन (विरोधी) बल-आधूर्ण द्वारा किया जाता है और हमें नीचे दिया गया संबंध प्राप्त होता है :

$$NBAI = k\phi$$

जहाँ  $N$  = कुण्डली में फेरों की कुल संख्या

$A$  = प्रत्येक फेरे का अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल

$B$  = त्रिज्य चुम्बकीय क्षेत्र

$k$  = कमानी का ऐंठन नियतांक

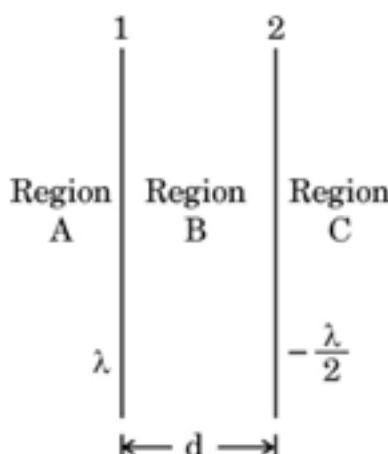
$\phi$  = कुण्डली का कोणीय विक्षेपण



#

- (b) Two infinitely long straight wires '1' and '2' are placed  $d$  distance apart, parallel to each other, as shown in the figure. They are uniformly charged having charge densities  $\lambda$  and  $-\frac{\lambda}{2}$  respectively. Locate the position of the point from wire '1' at which the net electric field is zero and identify the region in which it lies.

3



## SECTION D

Questions number 29 and 30 are Case Study-based questions. Read the following paragraphs and answer the questions that follow.

29. A galvanometer is an instrument used to show the direction and strength of the current passing through it. In a galvanometer, a coil placed in a magnetic field experiences a torque and hence gets deflected when a current passes through it. The name is derived from the surname of Italian scientist L. Galvani, who in 1791 discovered that electric current makes a dead frog's leg jerk. A spring attached with the coil provides a counter torque.

In equilibrium, the deflecting torque is balanced by the restoring torque of the spring and we have :

$$NBAI = k\phi$$

where N is the total number of turns in the coil

A is the area of cross-section of each turn

B is the radial magnetic field

k is the torsional constant of the spring

$\phi$  is the angular deflection of the coil

चूंकि गैल्वेनोमीटर में पूर्ण विक्षेपण की धारा ( $I_g$ ) बहुत कम होती है अतः गैल्वेनोमीटर का उपयोग विद्युत परिपथों में प्रवाहित विद्युत धारा को मापने के लिए नहीं किया जा सकता है। गैल्वेनोमीटर को वांछित परिसर के ऐमीटर में परिवर्तित करने के लिए इसके साथ उचित मान के एक छोटे प्रतिरोध, जिसे शंट कहते हैं, को संयोजित किया जाता है। उच्च प्रतिरोध का उपयोग करके किसी गैल्वेनोमीटर को वोल्टमीटर में भी परिवर्तित किया जा सकता है।

- (i) किसी गैल्वेनोमीटर की धारा सुग्राहिता का मान होता है : I

(A) $\frac{k}{NBA}$	(B) $\frac{NBA}{k}$
(C) $\frac{kBA}{N}$	(D) $\frac{kNB}{A}$

- (ii)  $6 \Omega$  प्रतिरोध का कोई गैल्वेनोमीटर  $0\text{--}2 A$  धारा के लिए पूर्ण पैमाने पर विक्षेपण दर्शाता है। इस गैल्वेनोमीटर को  $(0\text{--}5 A)$  परिसर के ऐमीटर में परिवर्तित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले शंट का मान होता है : I

(A) $0\cdot25 \Omega$	(B) $0\cdot30 \Omega$
(C) $0\cdot50 \Omega$	(D) $6\cdot0 \Omega$

- (iii) प्रकरण (ii) में ऐमीटर के प्रतिरोध का मान होगा : I

(A) $0\cdot20 \Omega$	(B) $0\cdot24 \Omega$
(C) $6\cdot0 \Omega$	(D) $6\cdot25 \Omega$

- (iv) (क) किसी गैल्वेनोमीटर को इसके साथ  $R_1$  प्रतिरोध को संयोजित करके  $(0\text{--}V)$  परिसर के वोल्टमीटर में परिवर्तित किया गया है। यदि  $R_1$  को  $R_2$  द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है, तो उसका परिसर  $(0\text{--}2 V)$  हो जाता है। इस गैल्वेनोमीटर का प्रतिरोध है : I

(A) $(R_2 - 2R_1)$	(B) $(R_2 - R_1)$
(C) $(R_1 + R_2)$	(D) $(R_1 - 2R_2)$

### अथवा

- (ख) किसी गैल्वेनोमीटर से  $5 \text{ mA}$  धारा प्रवाहित हो रही है। इसकी कुण्डली में  $100$  फेरे हैं, जिनमें प्रत्येक की अनुप्रस्थ-काट का क्षेत्रफल  $18 \text{ cm}^2$  है तथा यह  $0\cdot20 \text{ T}$  के चुम्बकीय क्षेत्र में निलंबित है। इस कुण्डली पर कार्यरत विक्षेपक बल-आघूर्ण है : I

(A) $3\cdot6 \times 10^{-3} \text{ Nm}$	(B) $1\cdot8 \times 10^{-4} \text{ Nm}$
(C) $2\cdot4 \times 10^{-3} \text{ Nm}$	(D) $1\cdot2 \times 10^{-4} \text{ Nm}$



11

As the current ( $I_g$ ) which produces full scale deflection in the galvanometer is very small, the galvanometer cannot as such be used to measure current in electric circuits. A small resistance, called shunt, of a suitable value is connected with the galvanometer to convert it into an ammeter of desired range. By using a higher resistance, a galvanometer can also be converted into a voltmeter.

- (i) The value of the current sensitivity of a galvanometer is given by : **L**

(A)  $\frac{k}{NBA}$

(B)  $\frac{\text{NBA}}{k}$

$$(C) \quad \frac{kBA}{N}$$

$$(D) \frac{kNB}{A}$$

- (ii) A galvanometer of resistance  $6\ \Omega$  shows full scale deflection for a current of  $0.2\text{ A}$ . The value of shunt to be used with this galvanometer to convert it into an ammeter of range  $(0 - 5\text{ A})$  is :

(A)  $0.25 \Omega$

(B) 0.30 Ω

(C) 0.50 Ω

(D) 6.0 g

- (iii) The value of resistance of the ammeter in case (ii) will be : 1

(A) 0-20 Ω

(B)  $0.24\ \Omega$

(C) 6-0 9

(D) 6.25 ♂

- (iv) (a) A galvanometer is converted into a voltmeter of range (0 – V) by connecting with it, a resistance  $R_1$ . If  $R_1$  is replaced by  $R_2$ , the range becomes (0 – 2 V). The resistance of the galvanometer is :

$$(A) \quad (R_2 - 2R_1)$$

$$(B) (R_2 - R_1)$$

$$(G) = (R_1 + R_2)$$

$$(D) (R_2 - 2R_1)$$

OB

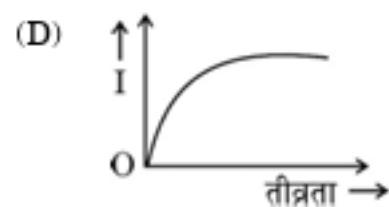
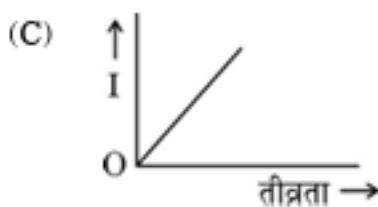
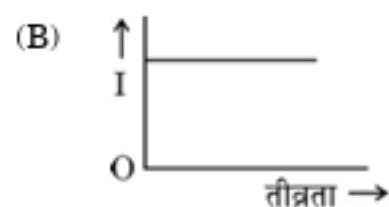
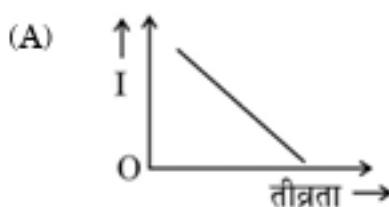
- (b) A current of 5 mA flows through a galvanometer. Its coil has 100 turns, each of area of cross-section  $18 \text{ cm}^2$  and is suspended in a magnetic field 0.20 T. The deflecting torque acting on the coil will be :

(A)  $3.6 \times 10^{-3}$  Nm      (B)  $1.8 \times 10^{-4}$  Nm

(C)  $2.4 \times 10^{-3} \text{ Nm}$       (D)  $1.2 \times 10^{-4} \text{ Nm}$

30. आइंस्टाइन ने प्लांक के क्वांटम सिद्धान्त जिसमें प्रकाश ऊर्जा के लघु बन्डलों, जिन्हें फ़ोटॉन कहते हैं, के रूप में गमन करती है, के आधार पर प्रकाश-विद्युत प्रभाव की व्याख्या की थी। प्रत्येक फ़ोटॉन की ऊर्जा  $h\nu$  होती है, जहाँ  $\nu$  आपतित प्रकाश की आवृत्ति तथा  $h$  प्लांक नियतांक है। किसी प्रकाश पुंज में फ़ोटॉनों की संख्या आपतित प्रकाश की तीव्रता निर्धारित करती है। किसी धातु के पृष्ठ पर आपतित कोई फ़ोटॉन अपनी कुल ऊर्जा  $h\nu$  को उस धातु के किसी मुक्त इलेक्ट्रॉन को स्थानान्तरित कर देता है। इस ऊर्जा का कुछ भाग धातु से इलेक्ट्रॉन को उत्सर्जित करने में प्रयुक्त होता है, जिसे इसका कार्यफलन कहते हैं। ऊर्जा के शेष भाग को उत्सर्जित इलेक्ट्रॉन अपनी गतिज ऊर्जा के रूप में बहन करता है।

- (i) निम्नलिखित में से कौन-सा ग्राफ प्रकाश की तीव्रता के साथ प्रकाश-विद्युत धारा I के विचरण को दर्शाता है ?



- (ii) जब तीव्रता को अपरिवर्तित रखते हुए आपतित प्रकाश की आवृत्ति में वृद्धि की जाती है, तो संतृप्त धारा :

- (A) रैखिकतः वृद्धि करती है  
 (B) घटती है  
 (C) अरैखिकतः वृद्धि करती है  
 (D) अपरिवर्तित रहती है

- (iii) निम्नलिखित में से किस ग्राफ का उपयोग प्लांक नियतांक का मान प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है ?

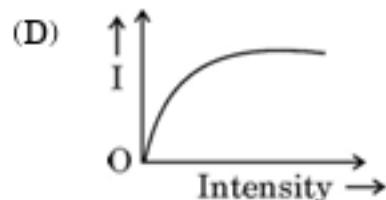
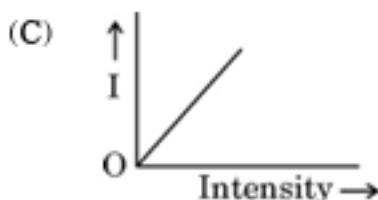
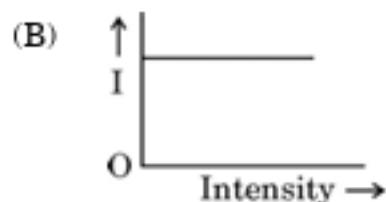
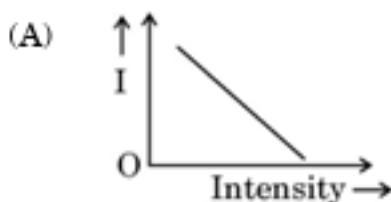
- (A) प्रकाश-विद्युत धारा और आपतित प्रकाश की तीव्रता के बीच  
 (B) प्रकाश-विद्युत धारा और आपतित प्रकाश की आवृत्ति के बीच  
 (C) अंतक विभव और आपतित प्रकाश की आवृत्ति के बीच  
 (D) अंतक विभव और आपतित प्रकाश की तीव्रता के बीच



#

30. Einstein explained photoelectric effect on the basis of Planck's quantum theory, where light travels in the form of small bundles of energy called photons. The energy of each photon is  $h\nu$ , where  $\nu$  is the frequency of incident light and  $h$  is Planck's constant. The number of photons in a beam of light determines the intensity of the incident light. A photon incident on a metal surface transfers its total energy  $h\nu$  to a free electron in the metal. A part of this energy is used in ejecting the electron from the metal and is called its work function. The rest of the energy is carried by the ejected electron as its kinetic energy.

- (i) Which of the following graphs shows the variation of photoelectric current  $I$  with the intensity of light ?



- (ii) When the frequency of the incident light is increased without changing its intensity, the saturation current :

- (A) increases linearly  
(B) decreases  
(C) increases non-linearly  
(D) remains the same

- (iii) Which of the following graphs can be used to obtain the value of Planck's constant ?

- (A) Photocurrent versus Intensity of incident light  
(B) Photocurrent versus Frequency of incident light  
(C) Cut-off potential versus Frequency of incident light  
(D) Cut-off potential versus Intensity of incident light



#

- (iv) (क) समान तीव्रता के लाल प्रकाश, पीले प्रकाश और नीले प्रकाश को क्रमागत किसी धातु पृष्ठ पर आपतित किया गया है।  $K_R$ ,  $K_Y$  और  $K_B$  क्रमशः फोटो-इलेक्ट्रॉनों की अधिकतम गतिज ऊर्जा का निरूपण करते हैं, तब :

- (A)  $K_R > K_Y > K_B$       (B)  $K_Y > K_B > K_R$   
 (C)  $K_B > K_Y > K_R$       (D)  $K_R > K_B > K_Y$

अथवा

- (ख) निम्नलिखित में से कौन-सी धातु दृश्य प्रकाश के साथ प्रकाश-विद्युत प्रभाव को दर्शाती है ?

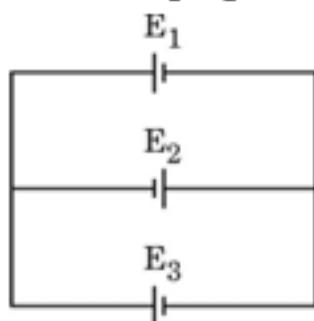
- (A) सीब्रियम      (B) ब्रिंक  
 (C) कैडमियम      (D) मैग्नीशियम

I

I

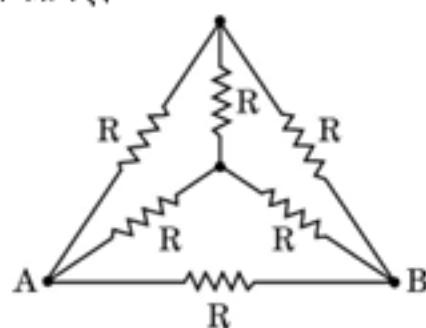
## खण्ड ड

31. (क) (i) तीन बैटरियाँ  $E_1$ ,  $E_2$  और  $E_3$  जिनके वि.वा. बल (emf) और आंतरिक प्रतिरोध क्रमशः (4 V, 2  $\Omega$ ), (2 V, 4  $\Omega$ ) तथा (6 V, 2  $\Omega$ ) हैं, आरेख में दर्शाएं अनुसार संयोजित हैं। बैटरियों  $E_1$ ,  $E_2$  और  $E_3$  से प्रवाहित धाराओं के मान ज्ञात कीजिए।



- (ii) आरेख में दर्शाएं अनुसार छह तारों के सिरों को, जिनमें प्रत्येक का प्रतिरोध  $R$  ( $= 10 \Omega$ ) है, संयोजित किया गया है। इस व्यवस्था के बिंदु A और B किसी परिपथ में संयोजित हैं। इनके द्वारा परिपथ को प्रदान किए गए प्रभावी प्रतिरोध का मान ज्ञात कीजिए।

5



अथवा



#

- (iv) (a) Red light, yellow light and blue light of the same intensity are incident on a metal surface successively.  $K_R$ ,  $K_Y$  and  $K_B$  represent the maximum kinetic energy of photoelectrons respectively, then : 1

- (A)  $K_R > K_Y > K_B$       (B)  $K_Y > K_B > K_R$   
(C)  $K_B > K_Y > K_R$       (D)  $K_R > K_B > K_Y$

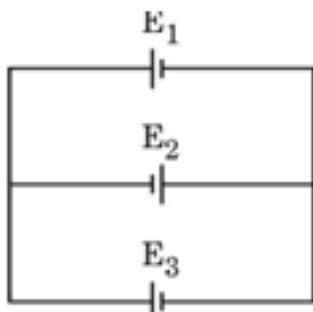
**OR**

- (b) Which of the following metals exhibits photoelectric effect with visible light ? 1

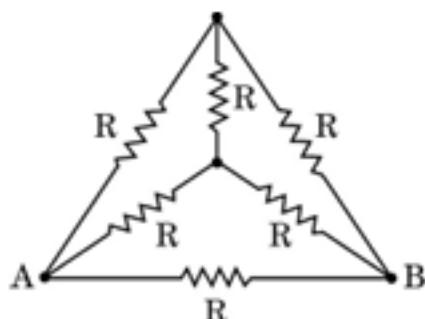
- (A) Caesium      (B) Zinc  
(C) Cadmium      (D) Magnesium

**SECTION E**

31. (a) (i) Three batteries  $E_1$ ,  $E_2$  and  $E_3$  of emfs and internal resistances (4 V,  $2 \Omega$ ), (2 V,  $4 \Omega$ ) and (6 V,  $2 \Omega$ ) respectively are connected as shown in the figure. Find the values of the currents passing through batteries  $E_1$ ,  $E_2$  and  $E_3$ . 5

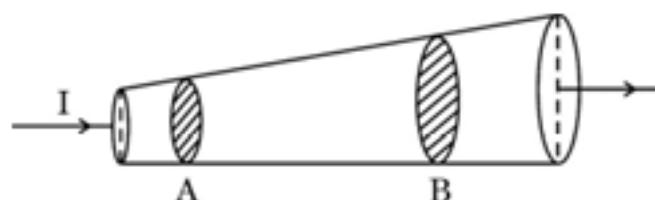


- (ii) The ends of six wires, each of resistance  $R$  ( $= 10 \Omega$ ) are joined as shown in the figure. The points A and B of the arrangement are connected in a circuit. Find the value of the effective resistance offered by it to the circuit. 5



**OR**

- (ख) (i) आरेख में दर्शाए अनुसार धारा I ( $= 1 \text{ A}$ ) परिवर्ती अनुप्रस्थ-काट की कॉपर की किसी छड़ ( $n = 8.5 \times 10^{28} \text{ m}^{-3}$ ) से प्रवाहित हो रही है। इस छड़ की लम्बाई के अनुदिश बिंदुओं A और B पर अनुप्रस्थ-काट क्षेत्रफल क्रमशः  $1.0 \times 10^{-7} \text{ m}^2$  और  $2.0 \times 10^{-7} \text{ m}^2$  हैं। परिकलित कीजिए :



- (I) बिंदुओं A और B पर विद्युत-क्षेत्रों का अनुपात ।  
 (II) बिंदु B पर मुक्त इलेक्ट्रॉनों का अपवाह वेग ।
- (ii) दो बिंदु आवेश  $q_1 (= 16 \mu\text{C})$  तथा  $q_2 (= 1 \mu\text{C})$  बिंदुओं  $\vec{r}_1 = (3 \text{ m}) \hat{i}$  तथा  $\vec{r}_2 = (4 \text{ m}) \hat{j}$  पर स्थित हैं। बिंदु  $\vec{r} = (3 \text{ m}) \hat{i} + (4 \text{ m}) \hat{j}$  पर नेट विद्युत-क्षेत्र  $\vec{E}$  ज्ञात कीजिए ।

5

32. (क) (i) किसी कुण्डली के स्व-प्रेरकत्व की परिभाषा लिखिए। स्व-प्रेरकत्व L की किसी कुण्डली में धारा I स्थापित करने के लिए आवश्यक ऊर्जा के लिए व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए।

- (ii) 10 mH और 20 mH स्व-प्रेरकत्व के दो प्रेरकों से प्रवाहित धाराओं में समय के साथ समान दर से बढ़ि हो रही है। नीचे दिए गए विचरणों को दर्शाने के लिए ग्राफ खींचिए :

- (I) प्रत्येक प्रेरक में प्रेरित वि.वा. बल (emf) के परिमाण और धारा में परिवर्तन की दर के बीच ।  
 (II) प्रत्येक प्रेरक में संचित ऊर्जा और उससे प्रवाहित धारा के बीच ।

अथवा

- (ख) (i) अन्योन्य प्रेरकत्व पद की परिभाषा लिखिए। समान लम्बाई परन्तु विभिन्न त्रिज्याओं और विभिन्न फेरों की संख्या वाली दो लम्बी समाक्ष परिनालिकाओं के अन्योन्य प्रेरकत्व के लिए व्यंजक व्युत्पन्न कीजिए।

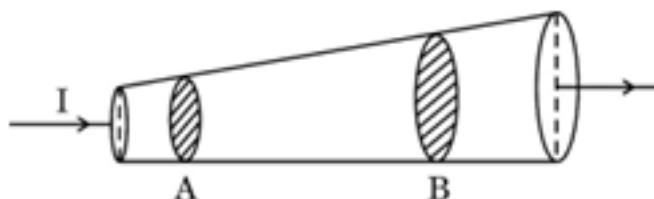
- (ii) किसी प्रेरक से प्रवाहित धारा में एकसमान रूप से 40 s में शून्य से 2 A की वृद्धि की गई है। इस अवधि में 5 mV का वि.वा. बल (emf) प्रेरित होता है। t = 10 s पर प्रेरक से संबद्ध फलक्स ज्ञात कीजिए।

5



#

- (b) (i) Current  $I$  ( $= 1\text{ A}$ ) is passing through a copper rod ( $n = 8.5 \times 10^{28} \text{ m}^{-3}$ ) of varying cross-sections as shown in the figure. The areas of cross-section at points A and B along its length are  $1.0 \times 10^{-7} \text{ m}^2$  and  $2.0 \times 10^{-7} \text{ m}^2$  respectively. Calculate :



- (I) the ratio of electric fields at points A and B.  
(II) the drift velocity of free electrons at point B.
- (ii) Two point charges  $q_1$  ( $= 16 \mu\text{C}$ ) and  $q_2$  ( $= 1 \mu\text{C}$ ) are placed at points  $\vec{r}_1 = (3 \text{ m})\hat{i}$  and  $\vec{r}_2 = (4 \text{ m})\hat{j}$ . Find the net electric field  $\vec{E}$  at point  $\vec{r} = (3 \text{ m})\hat{i} + (4 \text{ m})\hat{j}$ .

5

32. (a) (i) Define self-inductance of a coil. Derive the expression for the energy required to build up a current  $I$  in a coil of self-inductance  $L$ .

- (ii) The currents passing through two inductors of self-inductances  $10 \text{ mH}$  and  $20 \text{ mH}$  increase with time at the same rate.

Draw graphs showing the variation of :

- (I) the magnitude of emf induced with the rate of change of current in each inductor.  
(II) the energy stored in each inductor with the current flowing through it.

5

### OR

- (b) (i) Define the term mutual inductance. Deduce the expression for the mutual inductance of two long coaxial solenoids of the same length having different radii and different number of turns.

- (ii) The current through an inductor is uniformly increased from zero to  $2 \text{ A}$  in  $40 \text{ s}$ . An emf of  $5 \text{ mV}$  is induced during this period. Find the flux linked with the inductor at  $t = 10 \text{ s}$ .

5

33. (क) (i) किसी परावर्ती दूरदर्शक (कैसेग्रेन) का किरण आरेख खींचिए और प्रतिबिम्ब बनने की व्याख्या कीजिए। अपवर्ती दूरदर्शक की तुलना में परावर्ती दूरदर्शक के दो प्रमुख लाभों का उल्लेख कीजिए।  
(ii) किसी अपवर्ती दूरदर्शक के अभिदृश्यक की फोकस दूरी नेत्रिका की फोकस दूरी की 50 गुनी है। अनन्त पर अंतिम प्रतिबिम्ब बनते समय नलिका की लम्बाई 102 cm है। दोनों लेंसों की फोकस दूरियाँ ज्ञात कीजिए।

5

## अथवा

- (ख) (i) सरल सूक्ष्मदर्शी की तुलना में संयुक्त सूक्ष्मदर्शी के किन्हीं दो लाभों का उल्लेख कीजिए। संयुक्त सूक्ष्मदर्शी द्वारा निकट बिंदु पर प्रतिबिम्ब बनना दर्शाने के लिए किरण आरेख खींचिए और इसकी व्याख्या कीजिए।  
(ii) कोई पतला समतलावतल लेंस जिसके वक्र पृष्ठ की वक्रता त्रिज्या R है अपवर्तनांक  $n_1$  के काँच का बना है। यह समाक्ष इतनी ही वक्रता त्रिज्या के  $n_2$  अपवर्तनांक के किसी पतले समोत्तल लेंस के सम्पर्क में रखा है। लेंसों के इस संयोजन की क्षमता प्राप्त कीजिए।

5



#

33. (a) (i) Draw a ray diagram of a reflecting telescope (Cassegrain) and explain the formation of image. State two important advantages that a reflecting telescope has over a refracting telescope.
- (ii) In a refracting telescope, the focal length of the objective is 50 times the focal length of the eyepiece. When the final image is formed at infinity, the length of the tube is 102 cm. Find the focal lengths of the two lenses.

5

**OR**

- (b) (i) Write any two advantages of a compound microscope over a simple microscope. Draw a ray diagram for the image formation at the near point by a compound microscope and explain it.
- (ii) A thin planoconcave lens with its curved face of radius of curvature  $R$  is made of glass of refractive index  $n_1$ . It is placed coaxially in contact with a thin equiconvex lens of same radius of curvature of refractive index  $n_2$ . Obtain the power of the combination lens.

5